जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 73 प्रभात कोटा, शुक्रवार 26 दिसम्बर, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

वेनेज़ुएला के प्रकरण में ट्रंप पूर्णतया ''मनरो डॉक्ट्रिन'' का अनुसरण कर रहे हैं

उन्नीसवीं शताब्दी में अमेरिका के राष्ट्रपति हर्बर्ट हेनरी ने यह सिद्धांत प्रतिपादित किया था कि अमेरिका की पूर्ण दादागिरी होनी चाहिए अपने ''हैमिस्फियर'' में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 दिसम्बर। अमेरिका की कार्रवाइयों के जवाब में वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो ने अमेरिका को ''कैरीबियन का समुद्री डाकू'' (पयरेट्स ऑफ द करीबियन) कहा है। मदुरो, ट्रंप की कार्यवाहियों को लेकर गुस्से में हैं, आमतौर पर कई लोग जिन्हें अवैध बता रहे हैं।

लेकिन सवाल यह है कि वेनेज़ुएला का तेल लेकर ज्यादतर चीन जा रहे टैंकरों को पकड़कर क्या डॉनल्ड ट्रंप सच में वेनेज़ुएला के खिलाफ अपना सनकीपन दिखा रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि निकोलस मदुरो के खिलाफ अमेरिका की ये कार्रवाहियाँ कहीं ज़्यादा रणनीतिक और सोची समझी हैं।

- इसलिए अमेरिका ने वेनेज़ुएला के ऑयल टैंकर्स की पूर्ण घेराबंदी कर रखी है तथा टैंकर्स को आगे ऑयल नहीं दे रहा।
- पर, ट्रंप ने एक गली छोड़ रखी है, अमेरिका की ऑयल कंपनियों को वेनेज़ुएला में काम करने की पूरी इजाज़त दे रखी है।
- वेनेज़ुएला में विश्व का सबसे बड़ा ऑयल भंडार है और अमेरिका चाहता है कि इस ऑयल भंडार पर अमेरिकी कंपनियों का आधिपत्य हो, जिससे ट्रंप इन कंपनियों के जरिए, ऑयल की कीमत आदि तय करने का निर्णय ले सकें।

यह बात ज़्यादा लोगों को पता नहीं है कि एक ओर जहाँ अमेरिका ड्रग्स से भरी नावों को कैरीबियन सागर में डुबो रहा है और वेनेज़ुएला के तेल टैंकरों को ज़ब्त कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वह अमेरिकी तेल कंपनी शेवरॉन को वेनेज़ुएला में काम करने की इजाज़त भी दे रहा है और सबसे ज्यादा अहम बात यह है कि अमेरिका, निकोलस मदुरो की वेनेज़ुएला सरकार को अपने तेल उत्पादन का आधा हिस्सा वापस लेने की इजाज़त दे रहा है।

ग़ौर करने वाली बात यह है कि इनमें से तेल से भरे कई टैंकर चीन जा रहे थे, जो सीधे तौर पर चीन के हितों के ख़िलाफ़ जाता है। चीन ने अपने हित सुरक्षित रखने के लिए वेनेज़ुएला में भारी निवेश किया है और कूटनीतिक कोशिशें भी की हैं।

तो क्या वेनेज़ुएला को चारों ओर से घेरना और साथ ही अमेरिकी कंपनियों को वहाँ काम करने देना विरोधाभासी नहीं है? ज़रूरी नहीं, क्योंकि अमेरिका अब देश के तेल संसाधनों पर पकड़ बनाए रखने के लिए अपना अहम पत्ता अपने पास रख रहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने पटवारी भर्ती के परिणाम व उत्तरकुँजी पर जवाब माँगा

जयपुर, 25 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पटवारी भर्ती: 2025 के परिणाम व उत्तरकुंजी को चुनौती देने के मामले में राजस्थान स्टाफ सलेक्शन बोर्ड के सचिव व रेवेन्यू बोर्ड के रजिस्ट्रार से जवाब देने के लिए कहा है। अदालत ने इनसे पूछा है कि क्यों ना विवादित प्रश्न-उत्तरों की जांच के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाई जाए। जस्टिस अशोक कुमार जैन ने यह निर्देश पूरबा राम व अन्य की याचिका पर दिया।

मामले से जुड़े अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि भर्ती परीक्षा

- अदालत ने पूछा कि क्यों न विवादित प्रश्न-उत्तरों की जाँच के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाई जाए।

में करीब आधा दर्जन विवादित प्रश्न-उत्तर थे। ऐसे में बोर्ड ने उत्तर कुंजी जारी कर भर्ती में अनियमितता की है। भर्ती परीक्षा में इन प्रश्नों के उत्तर प्रार्थी के सही थे, लेकिन उन्हें उत्तर कुंजी में सही नहीं माना। इसलिए इन विवादित उत्तरों की जांच के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाई जाए तथा विशेषज्ञ कमेटी की रिपोर्ट नहीं आने तक मौजूदा भर्ती के पदों की नियुक्ति पर रोक लगाई जाए। याचिका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वाजपेयी की जयंती पर भाजपा मुख्यालय में दीपोत्सव का आयोजन

देश भर के भाजपा मुख्यालय दीपों से जगमगाए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 दिसम्बर। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार रात को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती की पूर्व संध्या पर अपने केन्द्रीय कार्यालय में एक भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया।

भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, जो अटल स्मृति न्यास सोसायटी के अध्यक्ष हैं, पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ दीप जलाने के कार्यक्रम में शामिल हुए। नड्डा ने कहा कि वाजपेयी ने भारत को एक नया एवं दूरदर्शी नेतृत्व प्रदान किया था।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह, कार्यालय सचिव महेन्द्र कुमार, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा सहित, अनेक वरिष्ठ पार्टी नेता शामिल हुए।

भाजपा वाजपेयी की जयंती की पूर्व संध्या पर देशभर में दीप जलाने का आयोजन कर रही है। पार्टी इस साल वाजपेयी की जयंती के शताब्दी वर्ष को ''अटल स्मृति वर्ष'' के रूप में मना रही है, जिसके तहत पूरे वर्ष कवि सम्मेलन, विचार गोष्ठियाँ और सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे, ताकि लोगों को पूर्व प्रधानमंत्री के योगदान के बारे में बताया जा सके।

- भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा व पूर्व उपाध्यक्ष वेंकैया नायडू ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर दीप जलाए।
- भाजपा ने वाजपेयी की 101वीं जयंती पर वर्ष भर कवि सम्मेलन, विचार गोष्ठियों आदि के आयोजन की घोषणा की ताकि लोगों को वाजपेयी के योगदान के बारे में बताया जा सके।

सरकार को अवैध घुसपैठियों पर एक्शन लेने का अधिकार है

नई दिल्ली, 25 दिसंबर। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत की सरहदों को लेकर केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी को याद दिलाते हुए कहा कि अवैध प्रवासियों की देश में मौजूदगी सिस्टम की नाकामी को दिखाती है, जिसे सख्ती और कानून के तहत ठीक करने की जरूरत है। शशि थरूर ने कहा कि अगर लोग गैरकानूनी तरीके से भारत में एंट्री कर रहे हैं या वीजा अवधि से अधिक वक्त तक रुक रहे हैं, तो यह बॉर्डर मैनेजमेंट और इमिग्रेशन कंट्रोल में चूक की तरफ इशारा करता है। इसके साथ ही थरूर ने घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन की भी वकालत की।

शशि थरूर ने कहा, अगर अवैध प्रवासी हमारे देश में आ रहे हैं, तो क्या यह हमारी नाकामयाबी नहीं है? क्या हमें अपने बॉर्डर पर बेहतर कंट्रोल नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में 5 रूपए में थाली मिलेगी अटल कैन्टीन में

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर 100 अटल कैन्टीन खोलने की घोषणा की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 दिसम्बर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 100 अटल कैंटीनों का उद्घाटन किया, जो गरीबों, मजदूरों और निम्न-आय वाले परिवारों को सम्मान के साथ भोजन प्रदान करने के उद्देश्य से शुरु की गई हैं।

आम तौर पर, एक संतुलित भोजन, जिसमें दाल, चावल, रोटी, एक सब्जी और अचार शामिल होते हैं, वह किसी भी रेस्राँ या रैस्राँ जैसे स्थान पर 500 से 2,000 रुपये के बीच मिलता है। अब कल्पना करें कि वे लोग, जो रोज़ाना दो वक्त का खाना मुश्किल से जुटा पाते हैं, उन्हें यह पूरा भोजन इसके दसवें हिस्से में ही मिल जाए, यह इतनी अच्छी खबर है कि इसका सच होना बहुत मुश्किल लग रहा है। दिल्ली सरकार ने आज 'अटल कैंटीन' योजना की शुरुआत की

- मुख्यमंत्री गुप्ता ने आज 45 अटल कैन्टीन का उद्घाटन किया, शेष 55 कैन्टीन जल्दी ही शुरु कर दी जाएंगी।
- दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा कि अब दिल्ली में कोई भी भूखा नहीं सोएगा, क्योंकि 5 रूपए में लोगों को पौष्टिक भोजन मिलेगा, जो किसी अच्छे रैस्त्रां में 500 से 2000 रूपए में मिलता है।
- इसमें कूपन के बजाय डिजिटल टोकन सिस्टम शुरु किया गया है और सभी कैन्टीन की सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी।

है, जिसके तहत शहर भर में 100 स्थानों पर केवल 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अटल कैंटीन दिल्ली की आत्मा का रुप ले लेंगी। अब दिल्ली में कोई भी भूखा नहीं सोएगा।

दिल्ली सरकार ने आज दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में 45 अटल अटल कैंटीने खोलीं, जिनमें आरके पुरम, जंगपुरा, शालीमार बाग, ग्रेटर कैलाश,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रक से टक्कर के बाद स्लीपर बस में आग लगी, 10 जिंदा जले

चित्रदुर्ग, 25 दिसंबर। कर्नाटक के चित्रदुर्ग में बुधवार देर रात एक स्लीपर बस में टक्कर के बाद आग लग गई। हादसे में बस में सवार 10 से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा 12 और 17 बताया जा रहा है। हादसा

- कर्नाटक में रात 2.30 बजे तेज रफ्तार लॉरी डिवाइडर तोड़कर प्राइवेट स्लीपर बस से टकराई और आग लग गई। सोते हुए यात्रियों को बचाने का मौका नहीं मिला।

एनएच-48 पर हिरियूर तालुके में हुआ। बस बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बस में 30 से ज्यादा यात्री थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुम्बई को अडानी ने दिया नया इंटरनैशनल एयरपोर्ट

यह नवी मुम्बई इंटरनैशनल एयरपोर्ट अडानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग ने सिटी एंड इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन के सहयोग से बनाया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 दिसम्बर। अडानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स और महाराष्ट्र के सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) द्वारा मिलकर विकसित किया गया नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) गुरुवार को यात्रियों के लिए खोल दिया गया। क्रिसमस के मौके पर इसे यात्रियों के लिए एक बड़ा तोहफ़ा माना जा रहा है।

एयरपोर्ट पर पहली व्यावसायिक उड़ान के उतरने के बाद अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने खुशी ज़ाहिर की। उन्होंने कहा, ''यह मुंबई की जनता के लिए बेहद गर्व का पल है और हम वाकई खुशक़िस्मत हैं कि हमें इस एयरपोर्ट को विकसित करने का अधिकार मिला। यह एक बिल्कुल नया एयरपोर्ट है और हमने इसे विश्वस्तरीय बनाने की पूरी कोशिश की है।''

- एयरपोर्ट पर पहली उड़ान लैंड होने के बाद अडानी ने खुशी जाहिर की और कहा कि यह मुम्बई के लिए एक बड़ा तोहफा है और हम भाग्यशाली हैं जो हमें यह एयरपोर्ट बनाने का मौका मिला।
- बैंगलुरु से आई इंडिगो फ्लाइट का एयरपोर्ट पर पारंपरिक तरीके से पानी की फुहारें बरसा कर स्वागत किया गया।

यात्रियों के नाम अपने संदेश में गौतम अडानी ने मुंबई के मौजूदा एयरपोर्ट पर भीड़ कम होने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा, ''मुंबई पिछले दस साल से संघर्ष कर रही थी। मौजूदा मुंबई एयरपोर्ट पूरी तरह जाम हो चुका था और यह नया एयरपोर्ट हवाई यातायात का दबाव कम करेगा।''

बेंगलुरु से आने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई 6460 सुबह 8 बजे नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरी और उसका स्वागत वाटर कैनन सलामी से किया गया, जो विमानन क्षेत्र की एक आनुष्ठानिक परंपरा है, जिसमें फायर ब्रिगेड की गाड़ियाँ विमान के ऊपर पानी की फुहारें छोड़ती हैं।

पहली उड़ान के उतरने से पहले, इंडिगो के कर्मचारियों को केक काटते और नारियल तोड़ते देखा गया, जो एक मांगलिक परम्परा है।

इसके बाद, एयरपोर्ट से पहली बार रवाना होने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई882 ने हैदराबाद के लिए सुबह 8 बजकर 40 मिनट पर उड़ान भरी।

सोशल मीडिया पर रियल टाइम अपडेट साझा करते हुए अडानी ग्रुप ने लिखा, ''भारतीय विमानन के लिए एक नए युग की शुरुआत हो रही है। वर्षों की योजना और मेहनत के बाद, नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट अपनी पहली उड़ान का स्वागत करने के लिए तैयार है। अंतिम चरण तक हर साल 9 करोड़ यात्रियों की सेवा करने की क्षमता के साथ, यह एयरपोर्ट सिर्फ मुंबई ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 27 को दिल्ली में

नयी दिल्ली, 25 दिसंबर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जनवरी के आखिरी सप्ताह में प्रस्तावित ओबीसी कांग्रेस की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की बैठक में शामिल होने हैदराबाद जाएंगे। राहुल गांधी इस बैठक को संबोधित भी करेंगे।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि 27 दिसंबर को दिल्ली में पार्टी ने कांग्रेस

- इसी दिन ओबीसी कांग्रेस की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की भी बैठक होगी।

कार्यसमिति की बैठक बुलाई है। कार्यसमिति की बैठक में कांग्रेस मौजूदा राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करेगी। इसमें मनरेगा समेत ''वोट चोरी'' पर सरकार को घेरने की रणनीति बनायी जाएगी। ओबीसी कांग्रेस ने भी अपनी राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की बैठक उसी दिन कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अरावली पर्वत श्रंखला के किसी भी पहाड़ की ऊंचाई नापने के लिए, पुराना तरीका क्यों त्यागा गया?

विश्व भर में किसी भी पर्वत की ऊंचाई सदा ''मीन सी लैवल'' से नापी जाती है, पर, अरावली में पर्वत की ऊंचाई नापने के लिए ''स्थानीय ऊंचाई'' (लोकल रिलीफ) को आधार बनाया गया है

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 दिसंबर। एक तकनीकी पुनर्परिभाषा भारत की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक, अरावली को कानूनी रूप से दोहन (खनन इत्यादि) योग्य भूमि में बदलने का खतरा उत्पन्न कर रही है। लेकिन सरकार के अपने मानकों के हिसाब से भी इस पर चार सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं।

अरावली पर्वत श्रृंखला से संबंधित यह विवाद तब शुरू हुआ, जब पर्यावरण मंत्रालय ने इस प्राचीन पर्वत श्रृंखला में ''सतत खनन'' की अनुमति देने के लिए एक नई परिभाषा पेश की।

अरावली के प्रति जनता की लहर ने पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव को भी नाराज़ कर दिया, उन्होंने एक्टिविस्ट की आलोचना की और यूट्यूब रील्स को गलत जानकारी फैलाने का दोषी ठहराया।

नागरिक समूहों और एक्टिविस्टों का गुस्सा उस समय बढ़ गया, जब नवंबर के अंत में सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मंत्रालय के नए मानदंड को स्वीकार कर लिया, जिसमें अरावली की परिभाषा तय की गई थी। यह निर्णय कहता है कि केवल वही पहाड़, जो स्थानीय स्तर से कम से कम 100 मीटर ऊपर उठते हैं, या ऐसे पहाड़ों का समूह, (100 मीटर और ऊपर) जो एक-दूसरे से 500 मीटर के दायरे में स्थित हैं, वही अब अरावली रेंज का हिस्सा माने जाएंगे।

- सिटिज़न्स ग्रुप व एक्टिविस्ट, उदाहरण दे रहे हैं, कुतुबमीनार का। इन लोगों का तर्क है कि कुतुबमीनार की ऊंचाई 72 मीटर है, जो 100 मीटर की ऊंचाई की सीमा से कम है तो क्या सरकार यह नया कानून बना सकती है कि सौ मीटर से कम ऊंचाई की इमारतें, ध्वस्त की जा सकती हैं, सड़कें आदि बनाने व नई कॉलोनियां काटने के लिए।
- इन एक्टिविस्टों के अनुसार, हरियाणा में ऐसे कई स्थान हैं, जैसे मानेसर, पंचगाँव, खेड़ला, गैरतपुर जहाँ ''मीन सी लैवल'' से पर्वत की ऊंचाई से घटा दी जाए तो पर्वत की ऊंचाई 100 मीटर से कम आंकी जाती है। अतः उस पर्वत को तोड़ कर सड़क आदि बनाई जा सकेगी, नई कॉलोनी काटी जा सकेगी।

यादव, जिनके मंत्रालय ने यह नया मानदंड पेश किया, ने इस स्थिति का जोरदार बचाव किया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि 100 मीटर की ऊंचाई पहाड़ की संरचना के बेस से मापी जाएगी, और पहाड़ की संरचना के चारों ओर या इसके नीचे खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन स्पष्ट रूप से, यह स्पष्टीकरण पर्याप्त नहीं है। कई महत्वपूर्ण सवाल अब भी बने हुए हैं। एक सबसे प्रासंगिक सवाल, जिसका मंत्री ने जवाब नहीं दिया है, वह यह है कि जब पहाड़ों की ऊंचाई वैज्ञानिक रूप से मीन सी लेवल (एमएसएल) अर्थात औसत समुद्री स्तर से मापी जाती है, तो पर्यावरण मंत्रालय ने इस पारंपरिक मानक को क्यों हटा दिया और ''लोकल रिलीफ'' (स्थानीय राहत) शब्द क्यों जोड़ा है? ''लोकल रिलीफ'' एक तरीका है, जिसके तहत पहाड़ की ऊंचाई को आसपास की सतह से नापा जाता है। मसलन अगर कोई पहाड़ी 100 मीटर ऊंची है और उसके आसपास का क्षेत्र भी ऊंचा है तो पहाड़ी की ऊंचाई को स्थानीय राहत के आधार पर कम नापा जा सकता है।

उदाहरण के लिए, कुतुब मीनार की ऊंचाई 100 मीटर से कम है, यह लगभग 72 मीटर ऊंची है। क्या हम कभी कोई ऐसा नियम बना सकते हैं जिसमें कहा जाए कि सभी धरोहर संरचनाएँ जो 100 मीटर से कम हैं, वे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में राहत की सांस, एक्यूआई 220 पर पहुँचा

नयी दिल्ली, 25 दिसंबर। राष्ट्रीय राजधानी वासियों को क्रिसमस सुबह 50 दिनों में सबसे स्वच्छ हवा मिली। दिवाली के बाद से जारी खतरनाक प्रदूषण स्तरों के बाद वायु गुणवत्ता सूचकांक गिरकर 220 पर आ गया, जो राजधानी के लोगों के लिए बहुत राहत वाली रिपोर्ट है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार,

- पचास दिन बाद क्रिसमस की सुबह दिल्ली को स्वच्छ हवा मिली

बुधवार सुबह 8:05 बजे दिल्ली का एक्यूआई 220 दर्ज किया गया, जो नवंबर की शुरुआत के बाद सबसे कम है। यह मंगलवार शाम चार बजे दर्ज 24 घंटे के औसत एक्यूआई 271 की तुलना में उल्लेखनीय सुधार है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)